

उत्तर प्रदेश में नई पर्यटन नीति-2022 को मंजूरी

चर्चा में क्यों?

16 नवंबर, 2022 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता से हुई कैबिनेट बैठक में राज्य की नई पर्यटन नीति-2022 को मंजूरी मिली।

प्रमुख बिंदु

- राज्य की नई पर्यटन नीति में होटल इंडस्ट्री के लिये नविश आधारित सब्सिडी की व्यवस्था की गई है। 10 करोड़ रुपए तक के नविश पर 2 करोड़ रुपए और 500 करोड़ रुपए से अधिक के नविश पर 40 करोड़ रुपए तक सब्सिडी दी जाएगी। इसमें होटलों को उद्योग का दर्जा मिलेगा तथा पानी, बजिली संपत्तिकर, सीवरेज टैक्स की दरें भी व्यवसायिक की जगह औद्योगिक होंगी।
- नई पर्यटन नीति के अंतर्गत भगवान राम से जुड़े सभी स्थलों को रामायण सर्कटि, भगवान कृष्ण से जुड़े धार्मिक स्थलों को कृष्ण सर्कटि के तौर पर वकिसति किया जाएगा। जनि नए पर्यटन गंतव्यों का विकास किया जाएगा, इसमें रामायण सर्कटि प्रमुख होगा।
- रामायण सर्कटि में अयोध्या, चित्रकूट, बटौर समेत अन्य धार्मिक स्थल शामिल होंगे। इन स्थलों को भगवान राम एवं माता सीता के प्रतीकों के तौर पर देखा जाता है।
- इसी तरह कृष्ण सर्कटि में मथुरा, वृंदावन, गोकुल, गोवर्धन, बरसाना, नंदगाँव, बलदेव से लेकर अन्य धार्मिक स्थलों को जोड़ा जाएगा तथा बुद्धसिंह सर्कटि में कपलिवस्तु, सारनाथ, कुशीनगर, कौशांबी, श्रावस्ती, रामग्राम समेत अन्य स्थल शामिल होंगे।
- नई नीति में महाभारत सर्कटि और शक्तिपीठ सर्कटि की भी परिकल्पना की गई है, जिसमें हस्तनिपुर, कांपलिय, एछत्र, बरनावा, मथुरा, कौशांबी, गोंडा, लाक्षागृह जैसे स्थानों को चुना गया है। शक्तिपीठ सर्कटि के अंतर्गत वधियवासिनी देवी, अष्टभुजा से लेते हुए देवीपाटन, नैमषिरण्य, माँ ललति देवी, माँ जवाला देवी, शाकुंभरी देवी सहारनपुर से शिवानी देवी चित्रकूट और शीतला माता मरु का वसितार होगा।
- कैबिनेट मंत्री एके शर्मा ने बताया कि पर्यटन से जुड़ी कई गतिविधियों को जो अभी तक पर्यटन की श्रेणी में नहीं आती थीं, उन्हें भी शामिल किया गया है। इनमें बजट होटल, हैरटिज होटल, स्टार होटल, हैरटिज, होमस्टे, इको टूरिज्म की इकाइयाँ कारवाँ टूरिज्म युनिटि, पलिग्रमि डॉरमेट्री, धर्मशालाएँ, वेलनेस रिसार्ट, ऑल वेदर सीजनल कैम्प, जलाशय झील, वेलनेस टूरिज्म, एडवेंचर टूरिज्म जैसी कुल 22 एक्टिविटीज को नई नीति में स्थान मिला है।